धनखड़ ने क्षेत्रवाद बनाम राष्ट्रीयता की चर्चा पर चिंता व्यक्त की

नई दिल्ली,एजेंसी।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश में क्षेत्रवाद बनाम राष्ट्रीयता की चर्चा पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की चेष्टा की जा रही है। धनखड़ ने कर्नाटक के राणेबेन्नूर में आयोजित कर्नाटक वेभव साहित्य और सांस्कृतिक महोत्सव के तीसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश में विभाजन कारी ताकतें काम रही है और ये इस समय की सबसे बड़ी चुनोती है। उन्होंने कहा कि ये ताकतें अलग-अलग तरीके से काम करती हैं। उन्होंने कहा, मुझे ये कहने में कोई संकोच नहीं है कि हमें जो चुनोती मिल रही हैं, वह जलवायु परिवर्तन से भी ज़्यादा गंभीर चुनोती है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ लोग जो काम करने की शैली अपना रहे हैं, वह घिनोने तरीके से विभाजन पैदा करना है। विभाजन के कई आधार जैसे जाति और क्षेत्रीयता है। उन्होंने कहा, मुझे समझ में ही नहीं आता कि इस देश में क्षेत्रवाद बनाम राष्ट्रीयता की चर्चा कैसे हो सकती है? यह कितनी बेतुकी और कितनी आधारहीन है, लेकिन जब आप इसकी जड़ों को देखेंगे, तो राष्ट्र विरोधी ताकतों का हाथ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में, धन का प्रयोग करके राष्ट्र विरोधी भावना को बढ़ावा देने के लिए न्यायपालिका तक पहुँच को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया है।

राज्यसभा में आय असमानता पर चिंता जताई गई

राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा ने कहा, मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग की आय में लगातार गिरावट हो रही है

नई दिल्ली, एजेंसी।

राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा ने राज्यसभा में शुक्रवार को देश में बढ़ती आय असमानता पर चिंता व्यक्त की और इस पर सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की। झा ने सदन में शून्यकाल के दौरान सभापति की अनुमति से उठाए गए मामले के अंतर्गत कहा कि मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग की आय में लगातार गिरावट हो रही है। कोरोना काल के बाद इसमें तेजी आई है। उन्होंने कहा कि आय असमानता से सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर रहा है। देश में स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा सेवाएं और अन्य बुनियादी सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पूंजी का केंद्रीकरण राजनीति को भी प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को संविधान के प्रावधानों के अनुरूप आय का समान वितरण करने की दिशा में काम करना चाहिए। आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा ने देश में साइकिल विनिर्माताओं की कर समस्याओं का मामला उठाया और कहा कि साइकिल और उसके उपकरणों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है जबकि इलेक्ट्रिक साइकिल पर पांच प्रतिशत का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि साइकिल दिव्यांग भी इस्तेमाल करते हैं और आम आदमियों के आवागमन का साधन है। सरकार को साइकिल उसके उपकरणों को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र) की डा. फौजिया खान ने महाराष्ट्र में जन स्वास्थ्य के बिगड़ती स्थिति का मामला उठाया और केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की मांग की। जनता दल यूनाइटेड के संजय कुमार झा ने दरभंगा हवाई अड्डे का नाम कवि कोकिल विद्यापति हवाई अड्डा रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने दरभंगा हवाई अड्डे के विस्तार की भी मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली दरभंगा सेक्टर के बीच यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

भारतीय जनता पार्टी की डा मेधा विश्राम कुलकर्णी ने मुंबई- पुणे राजमार्ग पर बढ़ती दुर्घटनाओं का मामला उठाया और उचित यातायात व्यवस्था की मांग की। कांग्रेस के सैयद नासीर हुसैन ने कर्नाटक में मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत करने और नए मानसिक स्वास्थ्य संस्थान खोलने की मांग की।

उन्होंने कहा कि बेल्लारी में भी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान खोला जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के दोरजी शेरिंग लेपचा ने नाथुला दर्रे तक रेल सेवाएं बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूती मिलेगी। आवश्यकता पड़ने पर सेना को साजों सामान भी पहुंचा जा सकेगा।

महाराष्ट्र वोटर लिस्ट को लेकर राहुल गांधी का आरोप निराधार: फडणवीस

मुंबई, एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची में धांधली का आरोप लगाया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनके आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि इन मुद्दों पर फिर से चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है।

देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस सांसद के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी का सवाल निराधार है और इसका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वोटर लिस्ट में नामों को लेकर सभी आवश्यक जानकारी चुनाव आयोग द्वारा पहले ही दी जा चुकी है, और इस बारे में किसी भी प्रकार का अलग से स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा, देखिए, वोटर कहां से आए, किसका नाम काटा गया, इन सभी सवालों का जवाब पहले ही चुनाव आयोग ने दिया है। इसलिए अब इन मुद्दों पर फिर से चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्था है, और वह हर मुद्दे पर अपनी पारदर्शिता बनाए रखते हुए सभी सवालों का समाधान करता है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्हें अच्छी तरह से यह पता है कि 8 फरवरी को दिल्ली में होने वाले चुनाव परिणामों के बाद उनकी पार्टी का दिल्ली में कोई अस्तित्व नहीं रहेगा। वह इस समय चुनाव परिणाम के बाद के माहौल को लेकर अपनी बयान और रणनीति पर काम कर रहे हैं, ताकि अपनी पार्टी को खत्म होने से बचाने के लिए वह कोई नया नैरेटिव तैयार कर सकें।

दरअसल, राहुल गांधी ने कहा है कि पांच साल में जितने मतदाता महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट में जोड़े गए, उससे ज्यादा मतदाता सिर्फ पांच महीने में जोड़ दिए गए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2019 से लेकर लोकसभा चुनाव 2024 के बीच महाराष्ट्र में 32 लाख मतदाता बढ़े। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के बीच पांच महीने में 39 लाख मतदाता बढ़ गए। मतलब, हिमाचल प्रदेश के मतदाताओं के बराबर की आबादी महाराष्ट्र में पांच महीने में जोड़ दी गई। ऐसे में सवाल है, जोड़े गए ये मतदाता कौन हैं और कहां से आए। महाराष्ट्र की व्यस्क जनसंख्या 9.54 करोड़ है, लेकिन चुनाव आयोग के मुताबिक महाराष्ट्र में 9.70 करोड़ मतदाता हैं।

राहुल गांधी बेबुनियाद आरोप लगाते हैं : शाइना

मुंबई,एजेंसी। शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता शाइना एनसी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र चुनावों में गड़बड़ी के दावे वाले बयान पर मुंबई में शुक्रवार को प्रतिक्रिया दी। उनका कहना है कि बड़बड़ करने से नहीं, काम करने से वोट मिलते हैं। शाइना एनसी ने कहा कि राहुल गांधी बेबुनियाद आरोप लगाते रहते हैं। बड़बड़ करने से वोट नहीं मिलते। काम करने से वोट मिलते हैं। चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि जहां पहली बार वोटर हैं, वहां संख्या बढ़ेगी। अगर आप यह नहीं मान सकते तो पहले आप स्कूल जाकर पढ़ लीजिए, समझ लीजिए कि चुनाव प्रक्रिया क्या है, लोकतंत्र क्या है।

चुनाव आयोग ने विधानसभावार आंकड़े जारी कर केजरीवाल को दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को हो गया है। नतीजे की घोषणा 8 फरवरी को की जाएगी। इस बीच चुनाव आयोग की तरफ से टोटल मतदान का आंकड़ा जारी नहीं करने को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाए थे। अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया और लिखा, कई बार अनुरोध करने के बावजूद चुनाव आयोग ने फॉर्म 17-सी और हर विधानसभा में बूथ पर डाले गए वोटों का नंबर अपलोड करने से इनकार कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने एक वेबसाइट (transparent elections.in) बनाई है। इस पर हमने हर विधानसभा के सभी फॉर्म 17-सी अपलोड कर दिए हैं। इस फॉर्म में हर बूथ पर डाले गए वोटों का पूरा ब्यौरा है। उन्होंने आगे लिखा, हम दिन भर हर विधानसभा और हर बूथ का डेटा जारी करेंगे। ताकि हर वोटर तक इसकी जानकारी पहुंच सके। यह कुछ ऐसा है जो चुनाव आयोग को पारदर्शिता बरकरार रखने के लिए करना चाहिए था, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वो ऐसा करने से इनकार कर रहे हैं। दरअसल, इससे पहले चुनाव की तारीखों की घोषणा के समय मुख्य चुनाव आयुक्त की तरफ से इस बारे में जानकारी दी गई थी।

एक नजर

शिवसेना (उबाठा) ने जम्मू में प्रदर्शन किया

जम्मू,एजेंसी। शिवसेना (उबाठा) ने शुक्रवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र से जम्मू-कश्मीर पर विशेष ध्यान देते हुए अवैध बांग्लादेशियों तथा रोहिंग्या प्रवासियों को देश से बाहर निकालने का आग्रह किया। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख मनीष साहनी के नेतृत्व में कई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया। शेख हसीना, सीमा हैदर को वापस भेजो'' और ''अवैध रोहिंग्याओं, बांग्लादेशियों को वापस भेजो'' जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर उन्होंने शेख हसीना सहित भारत से सभी अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या प्रवासियों को बाहर निकालने की मांग करते हुए नारे लगाए। साहनी ने कहा,भारत सरकार को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से सीख लेते हुए पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर और बांग्लादेश की पूर्व राष्ट्रपति शेख हसीना सहित सभी अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या प्रवासियों को तुरंत निर्वासित करना चाहिए। साहनी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर प्रकाश डाला और राजशाही जिले के फुदकी गांव में पूर्व राष्ट्रपति शेख हसीना के भाषण के दौरान हुई एक घटना का हवाला दिया। उन्होंने कहा, मंदिर में देवी सरस्वती की मूर्ति को अपवित्र किया गया। नेतृत्व परिवर्तन के बाद से हिंदुओं पर हमले लगातार जारी हैं।

अप्रवासी भारतीयों को हथकड़ी तथा बेड़ियों पहनाकर लाए जाने का जम्मू में कांग्रेसियों ने किया विरोध

जम्मू,मेट्रो मीडिया।

अमेरिका में रह रहे गैर कानूनी भारतीयों को हथकड़ियां तथा बेड़िया डालकर अमेरिकी माल वाहक सैन्य विमान से यहां लाए जाने का प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से यहां जानीपुर में एक बड़ा रोष प्रदर्शन किया गया। जिसका नेतृत्व पार्टी के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुख्य प्रवक्ता एडवोकेट रविंद्र शर्मा ने किया। इस मौके पर पार्टी के ब्रिज नेता हरि सिंह चिब तथा पूर्व एमएलसी वेद महाजन समेत बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

मालूम हो कि विगत दिवस अमेरिका से एक ऐसा अमेरिका से माल वाहक सैन्य विमान अमृतसर

के गुरु रामदास हवाई अड्डे पर उतरा था। इसमें सवार सभी भारतीयों को हाथों में हथकड़ी तथा पैरों में बेड़ियों पहनाकर घोर यातनाओं के साथ लाया गया था। जिसका संसद में नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में जमकर विरोध हुआ था। केंद्र की मोदी सरकार की विफलता तथा खामोशी पर भी तीखे सवाल खड़े किए गए थे। कहा गया कि इस घोर अमानवीय- मामले को लेकर पूरे देश में मोदी सरकार के खिलाफ भारी असंतोष में गुस्सा व्याप्त है।

पीएम मोदी वर्चुअल माध्यम से दुनिया के शीर्ष पेशेवरों से करेंगे बात

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार रात 9 बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश और दुनिया के प्रमुख पेशेवरों से संवाद करेंगे, जो वेव्स शिखर सम्मेलन के सलाहकार बोर्ड का हिस्सा हैं। पीएम मोदी जिन लोगों से बात करने वाले हैं, उनमें सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, चिरंजीवी, मोहनलाल, रजनीकांत, आमिर खान, ए.आर. रहमान, अक्षय कुमार, रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, मुकेश अंबानी, आनंद महिंद्रा और अन्य हस्तियां शामिल हैं। रचनात्मक उद्योगों से एक साथ आने और वैश्विक मंच पर देश की रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन करने का आह्वान किया था।

विपक्षी सांसदों ने श्रीलंका द्वारा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

विपक्षी दलों के सांसदों ने श्रीलंका द्वारा भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के विरोध में शुक्रवार को संसद के परिसर में प्रदर्शन किया और सरकार से इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने की मांग की। तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), कांग्रेस और वाम दलों के सांसदों ने इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसमें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के डेरेक ओ ब्रायन एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के सुदामा प्रसाद समेत विपक्षी दलों के कई अन्य सांसद भी शामिल हुए।

प्रदर्शन कर रहे सांसदों ने हाथों में तख्तियां पकड़ रखी थीं, जिसमें लिखा था, 'तमिल मछुआरों के लिए न्याय', 'हमारे मछुआरों को वापस

लाओ', 'अब और गिरफ्तारी नहीं' तथा 'तमिलनाडु के मछुआरे भारतीय हैं।'

द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी का मामला राष्ट्रीय मुद्दा है, क्योंकि वे भारतीय हैं और श्रीलंका में उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। शिवा ने कहा, कई अन्य दल भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे राज्य तक सीमित नहीं रखना चाहिए। वे तमिल मछुआरे हैं, वे भारतीय हैं।

राज्यसभा के सदस्य ने कहा,मछुआरों को वर्षों से प्रताड़ित, परेशान और मारा जा रहा है और सरकार इस मुद्दे को हल करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। इससे पहले वे (श्रीलंकाई अधिकारी) उन पर हमला करते थे और उनका जाल छीन लेते थे, लेकिन अब तो उन्होंने गरीब मछुआरों पर गोली चलाने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि मछुआरे अब समुद्र में जाने से डरने लगे और इससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।

शिवा ने कहा कि इन मछुआरों को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने का प्रस्ताव है। द्रमुक सांसद कनिमोझी ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को कई बार पत्र लिखकर स्थायी समाधान निकालने का आग्रह किया है।

भारत-बांग्लादेश की संयुक्त सीमा निरीक्षण टीम की बैठक

आइजोल, एजेंसी।

भारत-बंगलादेश की एक संयुक्त सीमा निरीक्षण टीम ने बंगलादेश में आंतरिक अशांति का असर भारतीय राज्यों पर असर पड़ सकने की आशंका को देखते हुए दक्षिण मिजोरम के लुंगलेई जिले में एक बेठक की है।

उपायुक्त नवनीत मान ने गुरुवार को लुंगलेई सर्किट हाउस में प्रतिनिधिमंडल के साथ लंच मीटिंग की मेजबानी की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार संयुक्त सर्वेक्षण 2024-2025 के फील्डवर्क कार्यक्रम का हिस्सा है जो पिछले साल 12-14 नवंबर को कोलकाता में आयोजित 45वें संयुक्त सीमा सम्मेलन में लिए गए निर्णयों के बाद है।

छह सदस्यों वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारतीय सर्वेक्षण विभाग के पश्चिम बंगाल और सिक्किम भू-स्थानिक निदेशालय के निदेशक पु उदय शंकर प्रसाद कर रहे हैं।

सात अधिकारियों वाली बंगलादेशी टीम का नेतृत्व बंगलादेश के महासर्वेक्षक ब्रिगेडियर जनरल नूर-ए-आलम मोहम्मद सोबयार सरवर कर रहे हैं। बयान के अनुसार टीम का निरीक्षण कार्यक्रम चार से 10 फरवरी तक चलेगा जिसमें 06 फरवरी तक भारतीय क्षेत्र और सात से 10 फरवरी तक बंगलादेशी क्षेत्र शामिल होंगे। सर्वेक्षण में एमपी 2359 और एमपी 2360 के बीच सीमा स्तंभों की स्थिति का आकलन किया जाएगा साथ ही 2019-2020 के फील्ड सीज़न से लंबित कार्यों की समीक्षा की जाएगी जो कोविड-19 महामारी के कारण विलंबित हो गए थे। सर्वेक्षण टीमों को 2024-2025 की सीमा चिह्नांकन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करने के निर्देश प्राप्त होंगे।

इस बीच भारत-बंगलादेश सीमा पर तनाव बना हुआ है। पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में बाड़ लगाने के प्रयासों को लेकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बंगलादेश (बीजीबी) के बीच गतिरोध बना हुआ है। बंगलादेश-म्यांमार सीमा पर यूनाइटेड लीग ऑफ अराकान (यूएलए) और इसकी सशस्त्र शाखा, अराकान आर्मी (एए) के बढ़ते प्रभाव ने मिजोरम के पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों में अनिश्चितता को भी बढ़ा दिया है। मिजोरम के पूर्व मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा ने हाल ही में राज्य में रोहिंग्या शरणार्थियों की संभावित आमद के बारे में चिंता व्यक्त की एवं चेतावनी दी कि आतंकवादी तत्व विस्थापित नागरिकों की आड़ में भारत में घुसपैठ करने के लिए स्थिति का फायदा उठा सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का उद्घघाटन किया

फरीदाबाद, एजेंसी।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को यहां 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का उद्घाटन किया। शेखावत ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि दो बड़े ऐतिहासिक आयोजनों के माध्यम से भारत, विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि एक ओर जहां, भारत को सामाजिक समरसता और एकता के सूत्र में बांधने वाले महाकुंभ का आयोजन हो रहा है वहीं, दूसरी ओर भारत की सांझी कलात्मक विरासत का प्रदर्शन करने वाले सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला शुरू हुआ है।

शेखावत ने कहा कि सूरजकुंड का यह मेला केवल कला को दिखाने का अवसर नहीं बल्कि शिल्पकारों और दस्तकारों की पुरातन परंपरा को दर्शाने का महान मंच है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का जो स्वपन हम देख रहे हैं, यह मेला उस संदेश को चरितार्थ करने का काम कर रहा है। सूरजकुंड और सूरजकुंड का यह अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला पूरे देश की पहचान बन चुका है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	एडीईएन/डीएलआई के तहत दिल्ली मुख्य स्टेशन के पीएफ 16 में महिलाओं और पुरुषों के लिए प्रतीक्षालय का उन्नयन और मरम्मत और निचले इलाके की मरम्मत और कंक्रीटिंग द्वारा दिल्ली मुख्य स्टेशन के पहले और दूसरे प्रवेश क्षेत्र के परिसंचारी क्षेत्र में सुधार दिल्ली स्टेशन पर पाथवे और फुटपाथ की मरम्मत।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	₹1,98,58,562.46 (रुपये एक करोड़ अट्ठानवे लाख अट्ठावन हजार पांच सौ बासठ और छियालीस पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	₹2,49,300/- (रूपये दो लाख उनन्चास हजार तीन सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	₹0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	28.02.2025 को 15:00 बजे तक।
6	वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04-410-32

• ठेकेदारों को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तो के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128-W/280/ई-निविदा सूचना/41/2024-25/W-3 दिनांक: 07.02.2025
423/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

Nidhi Services Limited

Regd. Off : 5/19-B, Roop Nagar, Delhi - 110007

Tel.: 011-43215145, Mobile: 09811021216 CIN : L65999DL1984PLC018077 E-mail: nidhiservicesltd@gmail.com

Extract of Standalone Un-Audited Financial Results of the Quarter ended on 31st December, 2024

Amount (Rs. In Lacs)

Sl. No.	Particulars	Current Quarter ending 31-Dec-24	Year to Date 31-Dec-24	Corresponding 3 months ended in the previous year 31-Dec-23
1	Total Income from Operations	16.31	31.85	8.09
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items#)	11.28	20.21	5.07
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional items and/or Extraordinary items#)	11.28	20.21	5.07
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	9.95	17.44	4.58
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	9.95	17.44	4.58
6	Equity Share Capital	150	150	150
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	557.49		
8	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) -			
	1) Basic:	0.66	1.16	0.31
	2) Diluted:	0.66	1.16	0.31

The above results were reviewed by the Audit Committee and thereafter taken on record by the Board in its meeting held on 06.02. 2025 and also Limited Review Report were carried out by the Statutory Auditors.

Note

a) The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirments) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Company's Website i.e (www.nidhiservicesltd.com) and on the website of the Stock Exchange (www.cse-india.com) and (http://www.msei.in/index.aspx)

Place : Delhi
Date : 06.02.025

For Nidhi Services Limited
Sd/-
Udit Agarwal
Whole Time Director
DIN: 00239114

राजनीति

इन नेताओं में राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों में रहे मंत्री तथा विधायक भी शामिल हैं

आजाद समर्थक कई नेता शामिल हो सकते हैं कांग्रेस में

सतीश वर्मा

जम्मू,मेट्रो मीडिया। देखी जमाने की यारी, बिछड़े सभी बारी-बारी..। यह सन 1956 में आई फिल्म कागज के फूल के गाने की पंक्तियां हैं। जिसे उस वक्त के बेहद मशहूर अभिनेता गुरु दत्त पर फिल्माया गया था। लेकिन अब यह पंक्तियां कांग्रेस में करीब साढे चार दशक तक सत्ता तथा पार्टी के भीतर 'केंद्र बिंदु' यानी एक बेहद खास नेता बने रहे गुलाम नबी आजाद पर मोजूदा वक्त में एकदम सटीक लगती है।

करीब 2 साल पहले कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बनाने वाले गुलाम नबी आजाद ने तब यह पूरी ताकत के साथ कहा था कि वह अपनी पार्टी को न केवल जम्मू कश्मीर बल्कि राष्ट्रीय स्तर तक भी लेकर जाएंगे। लेकिन अब सूरते हाल यह है कि उनकी पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी दम तो तोड़ ही रही है बल्कि उसमें शामिल जो गिने-चुने प्रमुख नेता शेष रह गए हैं, वह भी अब 'घर वापसी' यानी कांग्रेस में लौटने के लिए जम्मू कश्मीर से लेकर नई दिल्ली कांग्रेस के शीर्ष शीर्ष नेतृत्व तक जुगत बिठाने की कोशिश में लगे हुए हैं।

सूत्रों का कहना है कि अगले सप्ताह इनमें से कई नेता पुनः कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। संभवतः पार्टी जॉइनिंग की यह औपचारिकता नई दिल्ली में हो। मालूम हो कि इनसे

पहले गुलाम नबी आजाद के साथ गए पूर्व उपमुख्यमंत्री ताराचंद समेत कई नेता लोकसभा चुनाव से पहले घर वापसी कर चुके थे।

काबिलेगौर है कि करीब 3 साल पहले कांग्रेस के भीतर गुलाम नबी आजाद समेत पार्टी के कई असंतुष्ट नेताओं ने जी -23 गुट बनाया था। इनमें कई असंतुष्ट नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के न्योते पर यहां जम्मू में महात्मा गांधी जी के नाम पर बने एक गैर सरकारी संगठन के कार्यक्रम में भाग लेते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर हमले किए थे। परंतु, गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी गठन करने के बाद वह तमाम असंतुष्ट नेता उसमें शामिल नहीं हुए। उसके बाद गुलाम नबी आजाद की एक पुस्तक का नई दिल्ली में विमोचन हुआ। जिसमें डॉक्टर फारूक अब्दुल्ला, डॉक्टर करण सिंह भी खास मेहमानों के तौर पर शामिल हुए थे। उसके बाद देश की मुख्य धारा का मीडिया जिसे _गोदी मीडिया₹भी कहा जाता है,ने आजाद के लंबे-लंबे इंटरव्यू लिए। जिसमें गांधी परिवार को कोसा गया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गुलाम नबी आजाद जो कि जम्मू कश्मीर के हवाले से कांग्रेस के ₹मुग़ल-ए-आज़म₹ बने रहे, वह किसकी शह पर यह सब कर रहे थे, उसकी जानकारी जम्मू कश्मीर से लेकर नई दिल्ली तक सभी को मालूम है।

कहा गया कि आजाद इस मुगालते में थे कि वह जम्मू कश्मीर में कांग्रेस को बनवास करा देंगे। लेकिन हुआ एकदम उल्टा। पिछले साल हुए आम लोकसभा चुनाव से लेकर संघ शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के रूप में हुए पहले विधानसभा चुनाव में भी गुलाम नबी आजाद की पार्टी का प्रत्याशियों को न केवल बुरी तरह शिकस्त का सामना करना पड़ा बल्कि सभी प्रत्याशियों की जमानतें जब्त भी हुई।